माध्यमिक परीक्षा2018

मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तर माला

द्वितीय भारतीय भाषा हिन्दी

Sandhya Sha

SET-2

बहुवैकल्पिक उत्तरों में से सही उत्तर चुनें।

(1) तू जिन्दा है तो जिन्दगी की ..... में यकीन कर। पंक्ति को पूरा करें।

क. हार ख. गम ग. खुशी घ. जीत

(2) रमजान के कितने रोजों के बाद ईद आई थी?

क. चालीस ख. बीस ग. तीस घ. पंद्रह

(3) हामिद ने मेले से चिमटा लिया क्योंकि....

क. उसे चिमटा बहुत पसंद था ख. चिमटा बंदूक जैसा दिखता था

ग. दादी का हाथ रोटी बनाते समय जल जाता था।

घ. उसे दादी ने चिमटा लाने को कहा था।

4. बालगोबिन भगत किनको साहब मानते थे?

क. कबीर को ख. तुलसीदास को ग. सूरदास को

घ. इनमे से किन्हीं को नहीं

5. कबीर पंथी मठ बालगोविन भगत के घर से कितनी दूरी पर था?

क. 40 कि0मी0 ख. 14 मील ग. 400मीटर घ. 4 कोस

6 बालगोविन भगत की प्रभातियाँ कातिक से शुरु होकर..... तक चला करती।

क. पूस ख. माघ. ग फागुन घ. हमेशा

7. कलेवा का अर्थ होता है–

क. कमल का फूल ख. कंबल ग. सुबह का जलपान घ. इनमें से कोई नहीं

8. छोटानागपुर ..... का एक टुकड़ा हैं–

क. स्वर्ग ख. पहाड. ग. आकाश. घ. नदी

9. राँची से हुंडरु की दूरी ..... है।

क. 270 मी0 ख. 50मील ग. 27मील घ. 28मील

10. हुंडरू का झरना किस नदी के उद्‌गमस्थल से 50 मील की दूरी पर है ?

क. गंगा ख. यमुना ग. दामोदर घ. स्वर्णरेखा

11 हुंडरू के झरने के एक ओर का जंगल राँची में है और दूसरी ओर का ..... में।

क. हजारीबाग ख. बोकारो ग. कोडरमा घ. रामगढ़

12 किनके दोहे गागर में सागर के समान हैं ?

क. कबीर के ख. खुसरो के ग. बिहारी के घ. इनमें से किन्ही के नहीं

13. नीर का अर्थ होता है–

क. जल ख. मनुष्य ग. नारी घ. नदी

14. सिरचन स्टेशन पर किसे चिक एवं शीतलपाटी देने गया था ?

क. मानू को ख. मँझली भाभी को ग. चाची को घ. किसी को नहीं

15 'आँख का तारा होना' का अर्थ होता है ?

क. बहुत प्यारा होना ख. आसमान का तारा होना ग. चमकीला होना

घ. इनमें से कोई नही।

16. हो मेरे दम से यूँ ही मेरे ..... की जीनत।

क. चमन ख. नमन ग. वतन घ. देश

17. 'दुआ' का अर्थ होता है–

क. देश ख. गाँव ग. फुलवारी घ. प्रार्थना

18 'कठिन' का विलोम शब्द है–

क. अतिकठिन ख. सहज ग. अच्छा घ. इनमें से कोई नहीं

19 'ईर्ष्याः तू न गई मेरे मन से' किस प्रकार की रचना है ?

क. निबंध ख. एकांकी ग. हास्य–व्यंग्य घ. रेखाचित्र

20 ईर्ष्या का वरदान कैसा होता है ?

क. अच्छा ख. बुरा ग. अनोखा घ. इनमें से कोई नही।

21. ईर्ष्या की बड़ी बेटी का नाम हैः-

क. निंदा ख. खुशी ग. गम घ. हंसी

22. संसार में कोई भी मनुष्य ..... से नहीं गिरता ।

क. निंदा ख. हंसी ग. गम घ. बदला

23. ईर्ष्या का काम हैः-

क. हंसाना ख. जलाना ग. रुलाना घ. इनमें से कोई नहीं

24. सुकर्म का अर्थ होता हैंः-

क अच्छा काम ख. खराब काम ग. गरीब घ. इनमें से कोई नहीं

25. उचित का विपरीतार्थक शब्द हैः-

क. समुचित ख. अनुचित ग. आस्तिक घ. इनमें से कोई नहीं

26. कबीर ..... काल के कवि थे।

क. भक्ति ख. रीति ग. आधुनिक घ. इनमें से कोई नहीं

27. 'अस्मिता' का एक अर्थ होता है-

क. प्रतिष्ठा ख. विशाल ग. उत्तम घ. उपयोगी

28. किस सदी तक विक्रमशिला पूर्वी एशिया का एक उतकृष्ट शिक्षा केन्द्र बन चुका था?

क. बारहवीं ख. पाँचवी ग. बारहवीं घ. दसवीं- ग्यारहवीं

29. आर्यभट्ट किस क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध हैं?

क. भौतिकी के क्षेत्र में ख. रसायनविज्ञान के क्षेत्र मे ग. खगोल विद्या के क्षेत्र में घ. इनमें से कोई नहीं

30. धर्मपाल किस वंश के राजा थे?

क. मौर्यवंश ख. पाल वंश ग. गुप्त वंश घ. इनमें से कोई नहीं

31 अंग महाजनपद का आधुनिक नाम क्या है?

क. पटना ख. भागलपुर ग. समस्तीपुर घ. नालन्दा

32. विक्रमशिला का अविर्भाव किस शताब्दी के मध्य में हुआ।

क. पाँचवीं ख. आठवीं ग. सातवीं घ नवमी

33. संधि के कितने भेद होते हैं ?

क. दो ख. चार ग. तीन घ पाँच

34 संजू को क्या करने का शौक था ?

क. खेलने का ख. टी0 वी0 देखने का ग. खाने का घ किताबें पढ़ने का

35. हर खुशी के मौके पर संजू को उपहार में क्या मिलता था ?

क. खिलौने ख. कलम ग. पुस्तक घ. इनमें से कोई नहीं

36. संजू को डायरी लाकर किसने दी ?

क. माताजी ने ख. पिताजी ने ग. दोस्त ने घ. शिक्षक ने

37. करिश्मा का एक अर्थ होता है:-

क. दिन ख. रात ग. अंधेरा घ. चमत्कार

38. 'सुदामा चरित' कविता के कवि कौन हैं

क. नरोत्तमदास ख. कबीर दास ग. सूरदास घ. इनमें से कोई नहीं

39 वसुधा का पर्यायवाची है-

क. पृथ्वी ख. जंगल ग. आकाश घ. जल

40 निराला किनके समान हो गए थे ?

क. दीनबंधु ख. कथा सम्राट् ग. लोकनायक घ. देशरत्न

41. दीनबंधु निराला के लेखक कौन है ?

क. प्रेमचंद ख. महादेवी वर्मा ग. दिनकर घ. आचार्य शिवपूजन सहाय

42 मैथिल कोकिल के नाम से किन्हें जाना जाता हैं ?

क. प्रेमचंद ख. जयप्रकाश नारायण ग. विद्यापति घ. इनमें से कोई नहीं

43. कसारा के होटल का नाम क्या था ?

क. मुक्ताकाशी ख. आकाशी ग. कमलाकाशी घ. इनमें से कोई नहीं

44. खेमा भाइयों में सबसे .....था।

क. बड़ा ख. छोटा ग. मोटा घ. नाटा

45. गुड़िया किस जिले की रहने वाली थी?

क. रोहतास ख. अररिया ग. सहरसा घ. पटना

46. गुड़िया के पिता पेशे से क्या थे?

क. ड्राइवर ख. कारीगर ग. दुकानदार घ. इनमे से कोई नहीं

47. कदम स्कूल के बाल संसद की ..... है|

क. प्रधानमंत्री ख. मंत्री ग. शिक्षा मंत्री घ. इनमें से कोई नहीं

48. जननायक किनको कहा जाता है?

क. कर्पूरी ठाकुर ख. जयप्रकाश नारायण ग. डॉ राजेन्द्र प्रसाद घ. जवाहर लाल नेहरू

49. यथाशक्ति में कौन सा समास है?

क. द्विगु ,ख. तत्पुरुष ग. कर्मधारय इ अव्ययीभाव

50. ठेस कहानी के लेखक है:-

क. प्रेमचंद ख. अज्ञेय ग. रामवृक्ष बेनीपुरी घ. फनीश्वरनाथ रेणु

समूह-ब

(1) निम्न में से किसी एक विषय पर 250-300 शब्दों में निबंध लिखें- 1x10=10

1.मेरा प्रिय त्योहार :दीपावली

2.आतंकवाद

3.प्रदूषण

4.बढ़ती जनसंख्या का प्रकोप

5.भ्रष्टाचार:एक विकट समस्या

(2) अपने विद्यालय के प्रधान को चार-दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखें |1x5=5

अथवा

बार-बार बिजली गुल हो जाने के बारे में दो मित्रों के बीच की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

(3) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें 2x5=10

काम को करने के लिए सदा तैयार रहना तथा उस काम में आनंद का अनुभव करना उत्साह का मुख्य लक्षण है। सच्चा उत्साह मनुष्य को काम करने की प्रेरणा देता है। किसी ने कहा है कि साहस से भरी उमंग ही उत्साह है। कष्ट सहकर भी कार्य करने की ताकत व उत्पन्न आनंद ही उत्साह कहलाता है। दान देने वाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर धन–त्याग का विशेष साहस रखता है व प्रसन्नता से दान देता है। उत्साह आनंद और साहस का मिला जुला रूप है। यह ऐसा मनोभाव है जो मानव को किसी कार्य विशेष में प्रेरित कर उत्साहित करता है। तथा इससे मानव–शक्ति को बढ़ावा मिलता है। मन मे स्फूर्ति होने पर प्रत्येक कार्य में उत्साह जगता है। उत्साही असफल होने पर भी कार्य करता रहता है और दृढ़ निश्चयी होता है।

प्रश्नः–

1. उत्साह का मुख्य लक्षण क्या है?
2. उत्साह किसे कहते हैं?
3. उत्साह किसका मिला–जुला हुआ रूप है।
4. उत्साह कैसा मनोभाव है?
5. उत्साही व्यक्ति असफल होने पर क्या करता है?

(4) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें 2x5=10

औद्योगिक विकास ने सुख–सुविधाएँ उपलब्ध कराने के साथ –साथ वायुमंडल में क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैस की मात्रा बढ़ा दी है। इससे ओजोन परत में छेद हो रहे है इसके कुप्रभाव से अगर परत और भी पतली हो गई तो सूर्य की पराबैंगनी किरणों से हमारा बचाव कैसे होगा? यदि यही रफ्तार रही तो संभव है धुवों की बर्फ पिघल जाए और आबादी समुद्र के गर्भ से समा जाएं हम सब जानते है कि सभी जीवधारियों के लिए प्राणवायु ऑक्सीजन अत्यंत आवश्यक है। वायु के दूषित होने से जीवधारियों की जान के लाले पड़ रहे है। प्राकृतिक विपदाएँ इस कारण बढ़ती जा रही है कि हमारा पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है और प्राकृतिक संतुलन भी बिगड़ता जा रहा है। मौसम के इस बदलाव से जन तो पीड़ित है ही वैज्ञानिक भी चिंतित है।

प्रश्नः–

1.औद्योगिक विकास ने क्या किया है?

2. सभी जीवधारियों के लिए क्या आवश्यक है?

3.ओजोन परत का मुख्य कार्य क्या है?

4. प्राकृतिक विपदाएँ क्यों बढ़ रही है?

5.ओजोन परत में छेद किस गैस के कारण हो रहा है?

(5) लघुउत्तरीय प्रश्नः– 2x5=10

निम्न मे से किन्ही पाँच के उत्तर दें:–

1.हामिद मेले से चिमटा क्यों लेता है?

2.बालगोबिन भगत गृहस्थ थे फिर भी उन्हे साधु क्यों कहा जाता था?

3.हुंडरू का झरना कैसे बना है?

4.सिरचन को पान का बीड़ा किसने दिया था?

5.पद्मा के ललकारने पर भी अशोक ने युद्ध करना स्वीकार क्यों नहीं किया ?

6.ईर्ष्या की अनोखा वरदान किसे और क्यों कहा गया है?

7.ईर्ष्या की बेटी किसे और क्यों कहा गया है ?

8.विक्रमशिला कहाँ अवस्थित है ?

(6) दीर्घउत्तरीय प्रश्न :–1x5=5

चिमटा देख कर अमीना के मन में कैसा भाव जगा ?

अथवा

ईश्वर भक्ति के बारे में कबीर ने किन धारणाओं का खंडन किया है ?

समूह–ब

मेरा प्रिय त्योहारः दीपावली

भारत त्योहारों का देश है। यहाँ प्रत्येक धर्म के अपने –अपने त्योहार हैं, जिन्हें संपूर्ण राष्ट्र मिल–जुलकर मनाता है। दीपावली इन्हीं त्योहारों में से एक प्रमुख त्योहार है।

'दीपावली 'शब्द 'दीप+अवली'शब्दों के मेल से बना है, जिसका अर्थ है –दीपों की पंक्ति। कार्तिक मास की अमावस्या को जब घर –घर में दीपकों का प्रकाश जगमगाता है, वह दृश्य अपूर्व सौंदर्य से भरा होता है। ऐसा प्रतीत होता है, मानो आकाश धरती पर उतर आया है और असंख्य तारे टिमटिमा रहे हैं।

जब दीपावली का त्योहार आता है वह अपने संग कई अन्य त्योहार भी लाता है। दीपावली से दो दिन पहले 'धनतेरस ' का त्योहार मनाया जाता है दीपावली के अगले दिन 'गोवर्धन पूजा' मनाया जाता है तथा दो दिन बाद यानि द्वितीया को भैयादूज मनाई जाती है, जो कि भाई –बहिन के प्रेम का प्रतीक है।

दीपावली के त्योहार के पीछे एक पौराणिक या धार्मिक कथा जुड़ी है। कहते हैं कि अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र भगवान श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास काटने के बाद इसी दिन सकुशल अयोध्या वापस आए थे। इसी खुशी में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाए थे। इसी कारण आज भी हिंदू दीपावली के दिन दीपक जलाते हैं। इस त्योहार से कुछ अन्य कथाएँ भी जुड़ी है। कहा जाता है कि समुद्र–मंथन के दौरान इसी दिन देवी लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इसीलिए रात को लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है।

दीपावली के कुछ दिन पहले से ही लोग अपने घरों की साफ–सफाई आंरभ कर देते हैं। घरों को नाना प्रकार से सजाते हैं। नए वस्त्र व मिठाइयाँ खरीदते है। बच्चे तरह–तरह के पटाखे खरीदते है। बाजार मानो नई दुल्हन की तरह सजाए जाते हैं। रोशनी व लोगों की चहल–पहल देखते ही बनती है। दीपावली के दिन लोग अपने रिश्तेदारों व मित्रों के घर जाकर उन्हें मिठाइयाँ और उपहार देकर शुभकामनाएँ देते हैं। रात के समय लक्ष्मी–गणेश की पूजा लड्डू, बताशे आदि से की जाती है। इसके बाद बच्चे खूब पटाखे जलाते हैं और दीपकों, रंग–बिरंगे बल्बों तथा मोमबत्तियों की रोशनी से हर घर जगमगा उठता है।

दीपावली प्रेम-सौहार्द का त्योहार है, जिसे हँसी-खुशी सबके साथ मिल-जुलकर मनाना चाहिए। उन्हें अपने मन के अंधकार को मिटाकर उसे खुशी व आशा के प्रकाश से जगमगाना चाहिए तथा बुराई का मार्ग त्यागकर अच्छाई के मार्ग की ओर बढ़ना चाहिए। दीपावली हमें स्वस्थ जीवन व खुशियों का संदेश देती है।

"असतो मा सद्गमय।

तमसो मा ज्योतिर्गमय ।

आतंकवाद

अपनी इच्छा के अनुसार राजनैतिक बदलाव लाने के लिए जनता, सेना तथा सरकार के विरोध में कुछ भ्रमित लोगों के द्वारा किया जाने वाला काम आतंकवाद कहलाता है। कुछ लोग बलपूर्वक निर्दोष जनता को आतंकित करके सरकार द्वारा अपने स्वार्थो की पूर्ति करवाना चाहते हैं। इसके लिए वे जगह-जगह बम-विस्फोट, विमान अपहरण तथा अन्य हिंसापूर्ण कार्य करते हैं, जिससे विवश होकर उनकी माँगों को मान लिया जाए।

'आतंक' यानी 'भय' और 'आतंकवादी' यानी 'भय' फैलाने वाला '। आतंकवादी निर्दोष जनता में बम-विस्फोट, हत्या, अपहरण, धार्मिक मतभेद, तोड़फोड़ आदि द्वारा भय उत्पन्न करते है। केवल हमारे देश में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में आतंकवाद जहरीले धुएँ की तरह सबका दम घोंट रहा है। इस समय विश्व इस विकराल समस्या से जूझ रहा है।

संपूर्ण विश्व में आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। अमेरिका, भारत , पाकिस्तान आदि देश आतंकवाद के घेरे से निकलने के लिए छटपटा रहे हैं। परंतु यह फंदा निरंतर कसता ही जा रहा है। आए दिन समाचार-पत्रों में मुख्य पृष्ठ पर बड़े-बड़े अक्षरों में आतंकवादियों के घिनौने कारनामे छपते रहते हैं। दिन का आंरभ इन्हीं भयावह खबरों से होता है। न जाने कितने मासूमों को ये लोग अपने स्वार्थ पर बलि चढ़ा देते है। कितने घरों के चिरागों को अकाल ही मृत्यु की गोद में सुला देते है।

स्वतंत्रता के पश्चात् ही कुछ लोगों ने विदेशी ताकतों के बहकावे में आकर भारत में आतंकवाद का बीज बो दिया था। उसकी जड़ें अब संपूर्ण देश में इस तरह फैल चुकी है कि स्थिति अत्यंत शोचनीय हो गई है। काश्मीर में आतंकवाद अपने भयावह रूप में विद्यमान है। वहाँ के मूल निवासी अब शरणार्थियों की तरह रह रहे है। वहाँ हर दिन भय की छाया में निकलता है कि न जाने आज क्या होगा? काश्मीर, जो धरती का स्वर्ग माना जाता था, वही आज नरक बन गया है। केवल काश्मीर ही नहीं, असम ,बंगाल, नागालैंड आदि प्रदेशों को भी आतंकवादियों ने आतंकित कर रखा है। इन सभी प्रदेशों में कानून व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो चुकी है। सेना तथा पुलिस इस महामारी को देश से दूर करने के लिए जी-जान से जुटी है। आतंकवाद को दूर करने के लिए सरकार कई उपाय कर रही है, परंतु जनसाधारण के सहयोग की भी आवश्यकता है। यदि सभी अपने निजी, धार्मिक स्वार्थो और प्रांतीयता को त्यागकर भारतवासी बनकर रहें, तो यह समस्या सदा के लिए समाप्त हो सकती है। कोई भी सच्चा मनुष्य दूसरों को हानि नहीं पहुँचा सकता, क्योंकि आतंकवाद पशुता है। सभी को एकमत एवं संगठित होकर इस समस्या को विश्व से समाप्त करने में सहयोग देना चाहिए तथा विश्व में शांति और सौहार्द की भावना को स्थापित करना चाहिए। तभी देश और समाज प्रगति की ओर पूर्ण रूप से अग्रसर हो सकेगा।

प्रदूषण

वर्तमान युग को मशीनी युग कहा जाता है । मनुष्य ने जहाँ विज्ञान का सहारा लेकर अपने जीवन को सुख-सुविधापूर्ण बनाने के लिए अनेक आविष्कार कर डाले, वहीं दूसरी ओर उसके वरदान अभिशाप भी बन गए । उन्हीं में से एक है-प्रदूषण।

प्रदूषण का अर्थ होता है- दोष से युक्त। मानव ने प्रकृति के नियमों के साथ छेड़-छाड़ करके उसका संतुलन बिगाड़ दिया है। जो धरती पहले हरियाली व प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण थी, वही आज बंजर बनती जा रही है। आज संपूर्ण पर्यावरण दूषित हो चुका है। मानव ने बिना भविष्य की चिंता किए प्रकृति के सभी संसाधनों का दोहन किया । इसी कारण प्रदूषण की विकट समस्या हम सबके सामने खड़ी है।

प्रदूषण मुख्य रूप से चार प्रकार के होते हैं–1. जल प्रदूषण, 2.वायु प्रदूषण, 3. भूमि प्रदूषण तथा 4. ध्वनि प्रदूषण। इनमें से वायु प्रदूषण तथा ध्वनि प्रदूषण बड़े नगरों में व्यापक रूप से फैला हुआ है। जल प्रदूषण तथा भूमि प्रदूषण की समस्या आम–तौर पर छोटे क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती हैं, परंतु ऐसा नहीं है कि ये समस्याएँ महानगरों में नहीं हैं।

महानगर वायु प्रदूषण के प्रकोप से सर्वाधिक ग्रस्त हैं। इसका मुख्य कारण है नगरों का तीव्र गति से विकास व औद्योगीकरण। सड़कों पर दौड़ते वाहनो से निकलने वाले धुएँ व औद्योगिक चिमनियों से निकलने वाली जहरीली गैसों ने नगर के निवासियों का साँस लेना दूभर कर दिया है। लगातार बढ़ती जनसंख्या के कारण वाहनों व कारखानों की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिससे वायु–प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

छोटे क्षेत्रो व महानगरों में जल प्रदूषण के भिन्न कारण हैं। नदियों में पशुओं को नहलाना, नदी के पानी में स्वयं स्नान करना व कपड़े आदि धोना गाँवों में जल–प्रदूषण के मुख्य कारण है। महानगरों के कारखानों के पाइपों से निकलता गंदा, रसायनयुक्त जल आस–पास की नदियों में मिल जाता है तथा उसे और दूषित कर देता है।

बड़े–बड़े नगरों में यातायात के साधनों का बहरा कर देने वाला शोर दिन–प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ में शायद ही कोई घर ऐसा हो, जिसमें अपना कोई वाहन न हो मशीनों, कारखानों, लाउडस्पीकरों के शोर ने सबकी शांति भंग कर दी है। तनाव के कारण महानगरवासी आज हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मानसिक रोग आदि से पीड़ित हैं।

बढ़ती जनसंख्या की आवसीय समस्या को हल करने के लिए लगातार पेड़ों को काटा जा रहा है। अधिक अनाज उपजाकर लाभ कमाने के लालच में किसान बुकसानदेह रासायनिक पदार्थो से युक्त कीटनाशकों, खादों आदि का अंधाधुंध प्रगोग कर रहे है, जिससे भूमि प्रदूषण की समस्या भी विकट रूप धारण करती जा रही है।

प्रदूषण की समस्या को एक दिन में तो समाप्त नहीं किया जा सकता, परंतु कुछ कड़े उपाय अपनाकर इसे आगे बढ़ने से रोका जा सकता हे और फिर धीरे–धीरे दूर भी किया जा सकता है। **अधिक –से–अधिक वृक्षारोपण, प्राकृतिक खाद व कीटनाशकों का प्रयोग ,कारखानों को आवासीय क्षेत्रो से दूर स्थापित करना,** लाउडस्पीकरों आदि का प्रयोग कम करना, कूड़ा–करकट नदियों में न डालना आदि उपायों को अपनाकर इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। सरकार अपनी ओर से अनेक प्रयास करती रहती है, परंतु जब तक आम नागरिकों का सहयोग नहीं मिलेगा, तब तक उसके सभी प्रयास विफल रहेंगे। सभी को अपने कर्तव्यों का अहसास करके मिल–जुलकर इस दिशा में कदम बढ़ाने चालिए।

बढ़ती जनसंख्या का प्रकोप

वर्तमान युग में भारत अनेक समस्याओं से जुझ रहा है। जैसे– आतंकवाद , बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, प्रदूषण आदि। इन सभी समस्याओं से विकट एक और समस्या है बढ़ती हुई जनसंख्या की समस्या । सरकार द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए अनेक उपाय किए गए, परंतु आज भी यह समस्या हम सबके सामने सुरसा के समान मुँह बाए खड़ी है। स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले भारत की जनसंख्या लगभग 31 करोड़ थी। आज यह 125 करोड़ को पार कर चुकी है ऐसा लगता है, मानो कुछ ही वर्षो में भारत विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश घोषित कर दिया जाएगा तथा इस मामले में यह चीन को भी पीछे छोड़ देगा।

जनसंख्या में लगाातार वृद्धि होने के कारण देश की प्रगति में बाधा आ गई है। आर्थिक विकास नहीं हो पा रहा है। जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पा रही है। राष्ट्रीय आय का बहुत बड़ा भाग जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में खर्च हो जाता है। आज भी करोड़ों लोग गरीबी की रेखा से नीचे जीवन–यापन कर रहे हैं। लोगों के जीवन का स्तर उठ नहीं पा रहा है। यह एक ऐसी समस्या है, जो अनेक समस्याओं को जन्म देती है। सरकार के लिए यह एक चुनौती बन गई है।

जनसंख्या वृद्धि के अनेक सामाजिक व धार्मिक कारण हैं। सामाजिक कारणों में मुख्य है- कम उम्र में विवाह होना, लड़के की लालसा में एक के बाद संतान को जन्म देना। भारत में वंश-वृद्धि के लिए कम-से-कम एक पुत्र का होना आवश्यक माना जाता है। धार्मिक कारणों से भी जनसंख्या में वृद्धि होती है। कुछ धर्मों में संतान को ईश्वर की देन समझा जाता है। बहुपत्नी प्रथा के कारण भी परिवार में वृद्धि हो जाती है। जनसंख्या में लगातार बढ़ोतरी का एक मुख्य कारण गरीबी भी है। गरीब व्यक्ति यह सोचता है कि परिवार में जितने अधिक सदस्य होगें, उतने कमाने वाले हाथ बढ़ेंगे। अशिक्षा के कारण भी लोग अंधविश्वासों व रूढ़ियों में जकड़े रहते हैं। उनमें चेतना का अभाव होता है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण आज हमारा देश अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार अपराधीकरण, संसाधनों की कमी, महँगाई, आवासीय समस्या, गरीबी आदि इससे उत्पन्न कुछ प्रमुख समस्याएँ हैं। इन सभी के कारण भारत का नैतिक, समाजिक व आर्थिक पतन हो रहा है। बिजली, पानी, यातायात आदि की समस्याओं ने विकट रूप धारण कर लिया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। जनसंख्या वृद्धि के कारण भूमि की कमी होती जा रही है, जिसके कारण गाँव से शहर की ओर पलायन अधिक हो रहा है, जिससे शहरों पर दबाब और बढ़ गया है।

इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार द्वारा अपनाए गए उपायों को सख्ती से लागू कराने की आवश्यकता है। साथ-ही-साथ सर्व शिक्षा अभियान द्वारा लोगों को सजग व जागरूक बनाने की आवश्यकता है परिवार नियोजन के उपायों को निम्न वर्ग द्वारा स्वेच्छा से अपनाया जाना चाहिए। यह अति आवश्यक है कि नेता निजी स्वार्थों को त्याग कर इस समस्या के समाधान के लिए राष्ट्रीय जनसंख्या नीति को कड़ाई से लागू करवाएँ। जन संचार माध्यामों द्वारा जनता में परिवार नियोजन का प्रचार -प्रसार होना चाहिए। आम जनता को भी इस समस्या को दूर करने के लिए अंतर्मन से सहयोग देना चाहिए।

भ्रष्टाचारः एक विकट समस्या

'भ्रष्टाचार' शब्द 'भ्रष्ट' और 'आचार' दो शब्दों के मेल से बना है, जिसका अर्थ है 'बुरा व्यवहार' 'यानी 'मार्ग से भटका अचारण' वर्तमान युग में भ्रष्टाचार ने अपने पैर चारों ओर पसार लिए हैं। बड़े-बड़े उद्योगपतियों और राजनेताओं ने सामाजिक आर्थिक व राजनैतिक व्यवस्था को अपने हाथों में बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार रूपी दानव को जन्म दिया है और उसे पाल-पोस रहे हैं। इसी कारणवश आज हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार के अनेक रुप देखे जा सकते हैं। इनमें से मुख्य रूप से राजनीतिक भ्रष्टाचार ,व्यासायिक भ्रष्टाचार तथा प्रशासनिक भ्रष्टाचार चिंता के विषय है।

प्रशासनिक भ्रष्टाचार के अंतर्गत सरकारी तथा गैरसरकारी कार्यालयों में बाबू से लेकर उच्च अधिकरी तक बिना रिश्वत के कार्य करने कि लिए राजी नहीं होते । अमीर व्यक्ति तो फटाफट रूपया देकर अपना काम करवा लेता है और बेचारा गरीब व्यक्ति एक मेज से दूसरी मेज तक कर्मचारियों के आगे हाथ जोड़ता रह जाता है।यदि आप रूपया नहीं देंगें, तो आपकी फाइल एक मेज से दूसरी मेज तक नहीं पहुँचेगी , फिर चाहे आपको कितनी ही जल्दी या आवश्यकता क्यों न हो।

राजनीतिक भ्रष्टाचार के तो कहने ही क्या। चुनाव जीतने के लिए अपहरण, हत्या, दोषारोपण, आतंक आदि जैसे न जाने कितने उपायों का सहारा लिया जाता है। चुनाव जीतते ही नेता जनता को किए गए वादे भूल जाते है। और अपनी जेबें भरने में जी-जान से जुट जाते है। कुछ नेता तो खुद ही अपराधी होते हैं,जो भय व दंड के बल पर चुनाव जीत जाते है। ऐसे भ्रष्ट नेताओं के सहारे देश कैसे सही मार्ग पर चल सकता है ?

व्यावसायिक स्तर पर छोटे -मोटे व्यापारी से लेकर बड़े-बड़े उद्योगपति मुनाफा कमाने के लिए भ्रष्ट तरीके अपनाते हैं। आए दिन समाचार-पत्रों मे दूध-घी में मिलावट, दाल-चावल में पत्थर ,मसालों में रंगों की मिलावट ,नकली दवाइयाँ व सस्ती-घटिया वस्तुओं के उत्पादन आदि की

खबरे छपती रहती है। आज असली व नकली में अंतर कर पाना बहुत कठिन हो गया है। ऐसे लोग समाज को धीरे–धीरे खोखला करते जा रहे है।

बढ़ती महँगाई भी भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण है। आज हमने अपनी आवश्यकताओं को इतना बढ़ा लिया है कि उन्हें पूरा करने के लिए चाहे कुछ भी करना पड़े, हम करने को तैयार रहते है। झूठा दिखावा, एक–दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ ने तो भ्रष्टाचार रूपी दानव को और पुष्ट किया है। बढ़ती बेरोजगारी और गरीबी ने आज मनुष्य को हर नैतिक –अनैतिक कार्य करने पर विवश कर दिया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि कार्यपालिका द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कानून बनाए जाऐं और कठोर दंड की व्यवस्था की जाए। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा अनिवार्य रूप से दी जानी चाहिए, ताकि बच्चा नैतिक मूल्यों का महत्व बचपन से ही समझ सके। प्रत्येक व्यक्ति को निजी स्वार्थ त्याग कर अपना नैतिक मनोबल बढ़ाना चाहिए, भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना चाहिए, ताकि इस विषैले वृक्ष का समूल नाश किया जा सके।

2.

सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाध्यापक महोदय,

पटना कॉलेजियट विद्यालय ,पटना

द्वाराः वर्ग अध्यापक महोदय विषय–चार दिन के अवकाश के संबंध में।

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मेरी बड़ी बहन का शुभ विवाह दिनांक 22 दिसम्बर 2017 को होने जा रहा है। इस अवसर पर मेरी उपस्थिति अनिवार्य है। अतः आपसे निवेदन है कि मुझे दिनांक 20.12.2017 से 23.12.2017 तक का अवकाश प्रदान करें ताकि मैं अपनी बहन की शादी में सम्मिलित हो सकूँ।

इसके लिए मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी छात्र

आर्यन राज आनंद

कक्षा अष्टम (ब)

कमांक–4

दिनांक :– 15.12.2017

अथवा

संवाद–

मोहन : कैसे हो श्याम ?

श्याम : अरे मोहन! अच्छा हूँ। पर तुम पार्क में ! तुम तो घर से निकलते ही नहीं।

मोहन : क्या बताऐं ? बिजली की औंरव–मिचौली से परेशान हैं ।

श्याम : अरे तुम क्या ? पूरा मुहल्ला ही परेशान है।

मोहन : पता नहीं अब रात भर बिजली आएगी कि नहीं अभी रवाना भी नहीं बना।

श्याम : सरकार इतने वायदे करती है पर बिजली –पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति

भी नहीं कर पाती ।

मोहन : अरे सरकार भी क्या करें जितना उत्पादन बढ़ाती है उससे कहीं अधिक खपत बढ़ जाती हैं । खैर चलो खाना बनाया जाए ।

श्याम : हाँ चलो।

(3) 1. किसी काम को करने के लिए सदा तैयार रहना तथा उस काम में आनंद का अनुभव करना उत्साह का प्रमुख लक्षण है।

2. कष्ट सहकर भी कार्य करने की ताकत व उत्पन्न आनंद ही उत्साह कहलाता है

3. उत्साह आनंद और साहस का मिला-जुला रूप है।

4. उत्साह ऐसा मनोभाव है जो मानव को किसी कार्य विशेष में प्रेरित कर उत्साहित करता है तथा इससे मानव शक्ति को बढ़ावा मिलता है।

5.उत्साही व्यक्ति असफल होने पर भी कार्य करता है और दृढ़ निश्चयी होता है।

(4) 1. औद्योगिक विकास ने सुख-सुविधाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ वायुमंडल में क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैस की मात्रा बढ़ा दी है।

2. सभी जीवधारियों के लिए प्राणवायु ऑक्सीजन अत्यंत आवश्यक है।

3. ओजोन परत का मुख्य कार्य सूर्य की पराबैंगनी किरणों से हमारा बचाव करना है।

4. पर्यावरण प्रदूषित होने के कारण प्राकृतिक विपदाएँ बढ़ रही है।

5.क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैस के कारण ओजोन परत में छेद हो रहा है।

(5) 1. हामिद की दादी के हाथ रोटी बनाते समय तवे सेजल जाती थीं इसलिए वह मेले से चिमटा लाता है।

2. बालगोबिन भगत 'कबीर' को साहब मानते थे। कभी झूठ नहीं बोलते और खरा व्यवहार करते थे। बिना पूछे किसी की चीज को व्यवहार में नहीं लाते। उनके इन्हीं गुणों के कारण गृहस्थ होते हुए भी लोग उन्हें साधु कहते थे।

3. नदी जहाँ पहाड़ को पार करने की चेष्टा में पहाड़ पर चढ़ती है वहाँ पानी की कई धाराएँ हो जाती हैं। येसभी धाराएँ एक होकर पहाड़ से लगभग 243 फुट नीचे गिरती हैं यही हुँडरू का झरना है।

4. सिरचन को पान का बीड़ा मानू ने दिया ।

5.पद्मा के ललकारने पर भी अशोक ने युद्ध करना स्वीकार नहीं किया क्योंकि विजय प्राप्ति के लिए स्त्रियों का वध करना अशोक को स्वीकार्य नहीं था।

6.जिस मनुष्य के हृदय मेंईर्ष्या घर बना लेती है वह उन चीजों का आनंद नहीं उठा पाता जो उसके पास है बल्कि उन वस्तुओं से दुख उठाता है जो उसके पास नहीं है इसलिए ईर्ष्या को अनोखा वरदान कहा गया है।

7.ईर्ष्या की बेटी निंदा को कहा गया है क्योंकि जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है वह बुरे किस्म का निंदक भी होता है।

8.विक्रमशिला भागलपुर जिला के कहलगाँव थाना क्षेत्र के एक छोटे से गाँव अंतोचक में अवस्थित है।

(6) चिमटा देखकर अमीना का हृदय हामिद के प्रति स्नेह से भर गया। बच्चे के त्याग, सद्भाव ,विवेक और अपने प्रति प्रेम को देखकर उसकी आँखें में आँसू आ गए।

अथवा

ईश्वर भक्ति के विषय में लोगों की धारणा है कि मंदिर –मस्जिद आदि पूजा–स्थलों में पूजा करना , तीर्थ–यात्रा करना तथा योग–वैराग्य धारण करना ईश्वर भक्ति है। कबीर ने इन सभी धारणाओं का खंडन करते हुए अन्यत्र न भटक कर आत्मावलोकन पर बल दिया है।

SET – 2

1	घ
2	ग
3	ग
4	क
5	घ
6	ग
7	ग
8	क
9	ग
10	घ
11	क
12	ग
13	क
14	क
15	क
16	ग
17	घ
18	ख
19	क
20	ग
21	क
22	क
23	ख
24	क
25	ख
26	क
27	क
28	घ
29	ग
30	ख
31	ख
32	ख
33	ग
34	घ
35	घ
36	ख
37	घ
38	क
39	क
40	क
41	घ
42	ग
43	क
44	ख
45	क
46	क
47	क
48	क
49	घ
50	घ